जिज्ञासा / Jignasa 2022-23

In the state level Hindi student study project work competition organized for the academic year 2022-23, the project work presented by the Hindi Department of Dr. BRR Government College, Jadcherla, District: Mahabubnagar has got the second prize. The topic of the project work was – "Contribution of Information and Communication Technology in the development of Hindi language".

सन 2022-23 शैक्षणिक वर्ष के लिए आयोजित राज्य स्तरीय हिन्दी छात्र अध्ययन परियोजना कार्य प्रतियोगिता में हिन्दी विभाग डॉ.बी आर आर शासकीय महाविद्यालय जडचेरला, जिला:महबूबनगर द्वारा प्रस्तुत परियोजना कार्य कार्य को द्वितीय पुरस्कार मिला है। परियोजना कार्य का विषय रहा- "हिन्दी भाषा के विकास में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का योगदान "

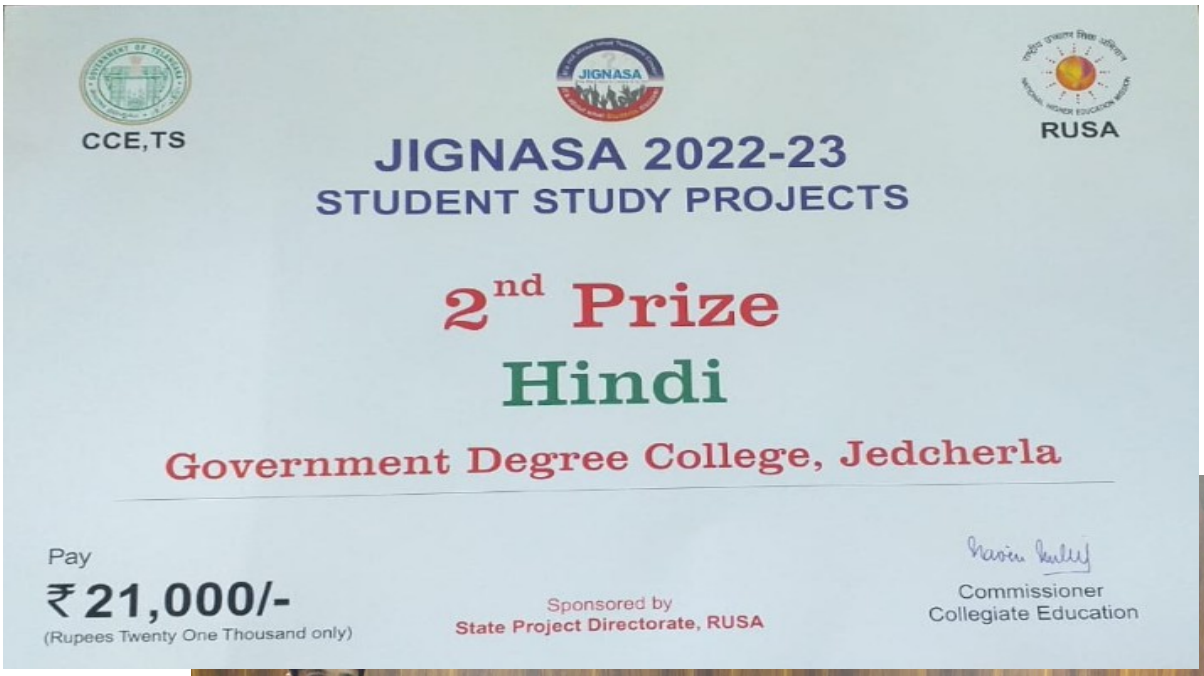

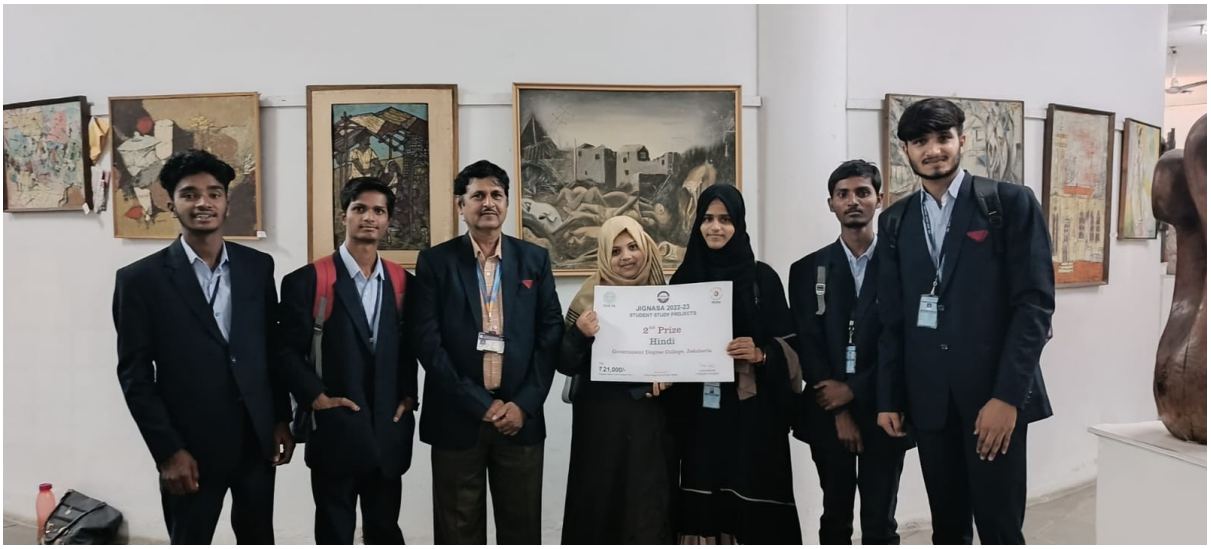

పరిశోధనా పథం..

జిజ్ఞాస పోటీల్లో

జిల్లాలోని డా.బీఆర్ఆర్ డిగ్రీ కళాశాల అధ్యాపకుడు డా.నరసింహారావు, విద్యార్థుల బృందం

అంతర్జాతీయ భాషగా హిందీ

హిందీ భాష అభివృద్ధిలో సమాచార, ప్రసార సాంకేతిక పరిజ్ఞానం తోడ్పాటు' అనే అంశాన్ని జిల్లాలోని డా.బీఆర్ ఆర్ డిగ్రీ కళాశాల విద్యార్థులు ప్రాజెక్టుగా తీసుకున్నారు. కళాశాల హిందీ అధ్యాపకుడు డా.నరసింహారావు పర్యవేక్షణలో విద్యార్థులు ముబీనా, మొహిన్పుద్దీన్, సల్మా, పాతిమా, వెంకటేశ్, చంద్రశేఖర్, సానియా బేగం, అఫ్సర్ టీమ్ రూపొందించారు. దేశంలో ఎక్కువ మంది మాట్లాడే హిందీ కేంద్ర ప్రభుత్వ అధికార భాషగా వెలుగుతోంది. ఇది అంతర్జాతీయ భాషగా అభివృద్ధి చెందేందుకు అంతర్జాలం, వాట్సప్, ఫేస్‌బుక్, ట్విటర్ వంటి సామాజిక మాధ్యమాలు ఎలా తోడ్పడుతాయో విద్యార్థులు వివరించారు. ఈ ప్రాజెక్టు భాషా విభాగంలో ద్వితీయ స్థానంలో నిలిచింది.

పరిశోధనతో

डॉ.बी.आर.आर.शासकीय स्नातक महाविद्याल , जड्चेर्ला
DR.BRR.Govt.Degree College, Jadcherla
जिला: महबूब नगर (तेलंगाना राज्य) / Dist: Mahabub Nagar (T.S.)

छात्र अध्ययन – परियोजना कार्य / Student Study Project
जिज्ञासा / Jignasa-2022-23

विषय : हिन्दी / Subject: Hindi

शीर्षक : हिन्दी भाषा के विकास में सूचना एवं संचार का योग प्रौद्योगिकी का योगदान

Title : Hindi Bhasha ke Vikas mein Suchana Evam Sanchar ProudyogikiKa Yogdaan

प्रस्तुतकर्ता / Presented By
1.मो.मुजतबा मोहिउद्दीन Md.Mujtaba Mohiuddin- B.AIIIyear 20033006156004
2.सलमा फातिमाSalmaFatima -B.Com. IIIYear 20033006405056
3.जे.वेंकटेश J.Venkatesh - B.Sc II Year 21033006445 2043
4.जी. चन्द्रशेखर G.Chandrashekhar- B.Sc II Year 21033006445 2037
5. सादिया बेगम Sadiya Begum - B.Com. IIyear 2103 3006 405 1081
6.एम.डी.अफसर Md.Afsar- B.Sc II Year 210330064451043

पर्यवेक्षक / Supervisor
डॉ.नरसिंह राव कल्याणी एम.ए.,एम.फिल.,पीएच.डी. /
Dr.NarsmhaRao Kalyani M.A.,M.Phil.,Ph.D.
सहायक आचार्य, / Asst.Professor
हिन्दी-विभाग/ Dept. of Hindi

रूपरेखा

Hindi Students Study Project – Synopsis

Hindi Students Study Project – Synopsis
(हिन्दी छात्र अध्ययन परियोजना कार्य – रूप-रेखा)

1. Title:(शीर्षक): Hindi Bhasha ke Vikas meinsuchana evam sanchar praadyogiki ka Yogdaan

हिन्दी भाषा के विकास में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का योगदान

2. Statement of the Problem or Hypothesis(समस्या या परिकल्पना का विवरण) : हिन्दी भाषा के विकास में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का योगदान यह विषय परियोजना कार्यका विषय है। इस विषय के आधार पर हिन्दी भाषा का विकास आज के वर्तमान युग में **सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के सहायता से किस प्रकार हो रहा है, इस बात को जानने का प्रयास किया गया है। आज सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के जाल में पूरी दुनिया गिरफ्त में आ गयी है। दुनिया के किसी भी को ने में घटित होनेवाली हर गतिविधि से कुछ ही क्षणों में पूरी दुनिया जान जाती है। ऐसी स्थिति में भाषा एक प्रमुख माध्यम के रूप में काम करती है। लगभग पचास वर्ष पूर्व तक सूचना एवं संचार प्रद्योगिकी के क्षेत्र में केवल अँग्रेजी भाषा का ही वर्चस्व था। मगर इस क्षेत्र में जब यूनिकोड का आविष्कार हुआ तब से अन्य भाषाओं के द्वारा भी सूचना एवं संचार प्रद्योगिकी के क्षेत्र में काम करना सरल हो गया। यह हिन्दी के विकास के लिए भी उपयोगी सिद्ध हुआ। भारत में संघ तथा कुछ राज्यों की राजभाषा के रूप में कार्य करते समय वैज्ञानिक तथा तकनीकी के क्षेत्र में कई समस्याओं का सामना करना पड़ता था। मगर आज हिन्दी इतनी सक्षम हो गयी है की सूचना एवं संचार प्रद्योगिकी की सहायता से लगभग सभी क्षेत्रों में हिन्दी तीव्र गति से विकसित हो रही है। इसी का उल्लेख करना इस परियोजना का कार्य है। इस परियोजना कार्य को करने के बाद यह अनुभव होता है कि हिन्दी के विकास में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का योगदान अभूतपूर्व है।**

3.Aims and Objectives(लक्ष्य&उद्देश्य):इस परियोजना कार्य के लक्ष्य एवं उद्देश्य निम्न प्रकार से हैं -

1. राजभाषा के रूप में हिन्दी की स्थिति को बताना ।

2. हिन्दी के सर्वांगीण विकास में **सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के योगदान को रेखांकित करना** ।

3.हिन्दी के विकास में विभिन्न साफ्टवेरों की जानकारी प्राप्त करना ।

4. **सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी में विभिन्न उपकरणों की** जानकारी प्राप्त करना ।

5. **सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की सहायता से भारतीय समाज और विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में हिन्दी की गतिविधियों को आंकना ।**

6. **सूचना एवं संचार प्रद्योगिकी की सहायता से हिन्दी विश्व भाषा बनने के योग्य होना।**

4. Review of Literature (साहित्य की समीक्षा): "हिन्दी भाषा के विकास में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का योगदान" इस परियोजना कार्य के द्वारा यह बताने का प्रयत्न किया गया है कि हिन्दी भाषा के

विकास में तकनीकी का योगदान अभूतपूर्व है। भाषा के फैलाव में उत्पन्न हो रही तरह-तरह कि बाधाओं को आईसीटी(ICT) ने सफलता पूर्वक दूर किया है। कम्यूटर तथा इन्टरनेट के माध्यम से हिन्दी का विकास तेजी से हो रहा है। आज वाट्सएप्प, फेसबुक ,जी-मेल ,इंसतगरम आदि कई सामाजिक माध्यमों के कारण आज से पहले जाहाँ अब तक नहीं पहुंची थी वहाँ आज हिन्दी आसानी से पहुँच रही है। कुलमिलाकर आज हिन्दी का विकास न केवल भारत हो रहा है बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तरर पर भी हो रहा है। इयसका मूल कारण **सूचना एवं संचार प्रद्योगिकी का** सामान्य जनता तक पहुँचना ही है। इस के लिए हमने विभिन्न वेबसाइटों से जानकारी प्रपट की है। अपने महाविद्यालय के पुस्तकालय द्वारा तथा कंप्यूटर साइंस विभाग के द्वारा भी साहित्य को प्राप्त किया गया है।

5. Research Methodology(शोध क्रियाविधि) : शोध के कई पर्यायवाची शब्द हें। जैसे –अनुसंधान, अन्वेषण, गवेषण,खोज आदि। सादरणतया साहित्य में शोध और अनुसंधान शब्द ही प्रचलित हैं। किसी विषय का उसके विभिन्न पक्षोंकों तथ्यों ,तत्वों, आधारों, तर्क शीलता आदि कसौटियों पर परखना ही शोध कहलाता है। शोध के कई प्रकार हैं। जैसे – सर्वेक्षण पद्धति , आलोचनात्मक पद्धती ,समाजशास्त्रीय पद्धति, ऐतिहासिक पद्धति, समस्यात्मक पद्धति आदि।

हमने इस परियोजना कार्य के लिए सर्वेक्षण व आलोचनात्मक पद्धती - शोध विधि को अपनाते हुये **"हिन्दी भाषा के विकास में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का योगदान** को उजागर करने का प्रयास किया गया है। इस के लिए जनसंचार , सूचना एवं प्रौद्योगिकी , पत्राचार आदि से संबन्धित जानकारी को पुस्तकालय से ग्रहण किया गया है।

6. Analysis of Data.(डाटा का विश्लेषण) : **"**हिन्दी भाषा के विकास में सूचना एवं संचार **प्रौद्योगिकी** का योगदान" का अध्ययन करने के लिए विभिन्न समाचर पत्रों ,हिन्दी भाषा संबंधी पुस्तकों तथा इन्टरनेट पर विभिन्न वेबसाइटों पर हिन्दी कि गतिविधियों के बारे में जांकारियों को प्राप्त की गयी । तत्पश्यात सूचना एवं संचार प्रद्योगिकी के द्वारा हिन्दी के विकास को आँका गया। व्यापार के साथ भाषा का संबंध काफी गहरा है। इसी कारण बहुराष्ट्रिय साफ्टवेर कंपनियों ने हिन्दी को काफी महत्व दे रहे हैं। इस बात की पुष्टि भी इस अध्ययन में हुआ है।

इस से यहा जानकारी मिली है कि हिन्दी का विकास सूचना एवं संचार **प्रौद्योगिकी के कारण बहुत तेजी से हो रहा है। कृत्रिम बौद्दिकता (AI) पर आधारित "गुगुल असीस्टंट" पर हिन्दी विश्व की दूसरी सबसे ज्यादा प्रयोग की जाने वाली भाषा है। एक रिपोर्ट के अनुसार सन 2050 तक इन्टरनेट पर सबसे ज्यादा हिन्दी भाषा में सामाग्री उपलब्ध होगी।**

7.Findings (जाँच – परिणाम) : इस परियोजना-कार्य का यह परिणाम निकाला है कि आज दुनिया बहुत छोटी होते जा रही है। लोग दुनिया के किसी भी स्थान पर गठित होने वाली घटना की जानकारी कुछ ही क्षणों में सम्पूर्ण

समाज में फाइल जाती है। पूरी दुनिया एक छोटे से गाँव में तबदील हो गयी है। इस कारण आज हिन्दी न केवल भारत में बोली जाती है बल्कि विश्व के कई देशों में बोली जाती है। सामाजिक,आर्थिक परिस्थितियों के परिवर्तन के कारण बाजार पर हिन्दी भाषा की पकड़ मजबूत हो रही है।सामाजिक माध्यमों में ही नहीं बल्कि **सूचना एवं संचार प् प्रौद्योगिकी के सभी क्षेत्रों में** हिन्दी का प्रचार व प्रसार तीव्र गति से हो रही है। इससे ऐसा लगता है कि **संयुक्त राष्ट्र संघ** की आधिकारिक भाषा के रूप में हिन्दी की स्थापना बहुत दूर नहीं है।

इस परियोजना के कार्य से कुछ तथ्य इस प्रकार सामने आए हैं-

1.इलेक्ट्रोनिक ब्रोंडों पर 70 प्रतिशत सर्च भारत से की जाती है और इनमें अधिकांश हिन्दी में हो रही हैं।

2.आंकड़ों की माने तो केवल हिन्दी में ही इंटरनेट का प्रयोग करने वालों की संख्या 47 प्रतिशत प्रति वर्ष की रफ्तार से बढ़ रही है।

3.एक अनुमान के अनुसार 10,000 ब्लागर प्रसिद्ध व सक्रिय हैं। इन ब्लागों पर आने वाले विजिटर की संख्या लाखों में है।

4.हिन्दी वायस सर्च क्वरी(पूछताछ) में 400 प्रतिशत की वृद्दि हो रही है।

5।पहले हिन्दी का प्रचार –प्रसार के माध्यमों में समाचारपत्र –पत्रिकाएँ, टी.वी.,सिनेमा ,कवि-सम्मेलन एवं साहित्य सम्मेलन जैसे ही माध्यम थे परंतु अब सोशल मीडिया के विभिन्न मंच जैसे फेसबुक , ट्विटटर,व्हाट्सएप ,ब्लोगिंग आदि हिन्दी के प्रचार-प्रसार में और इसे समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

8. Conclusion and Suggestion(निष्कर्ष और सुझाव): इस परियोजना कार्य के निष्कर्य यही कहा जा सकता हिन्दी भाषा सूचना एवं संचार **प्रौद्योगिकी** के इस दौर में अपने आप को तकनीकी के अनुकूल ढाल लिया है। इसी कारण तकनीकी के साथ कदम से कदम मिलकर चल रही है। आज हिन्दी अनुवाद, मनोरंजन, बाजार आदि कई क्षेत्रो में बहुत ही आसान से पहुँच चुकी है। जनता की जरूरतों को पूरा करने मैं हिन्दी एक श्रेष्ठ माध्यम के रूप में जगजाहिर होगया है। **इस का श्रेय हम** सूचना एवं संचार **प्रौद्योगिकी को ही दे सकते हैं।**

(सूचना:- विस्तार से परियोजना कार्य अगले पृष्टों पर प्रस्तुत है।)

---Dr.BBR.Govt.Degree College
डॉ.बी आर आर शासकीय महाविद्यालय
Jadcherla-509301 जडचेरला
Dist:Mahabub Nagar(T.S) जिला:महबूबनगर

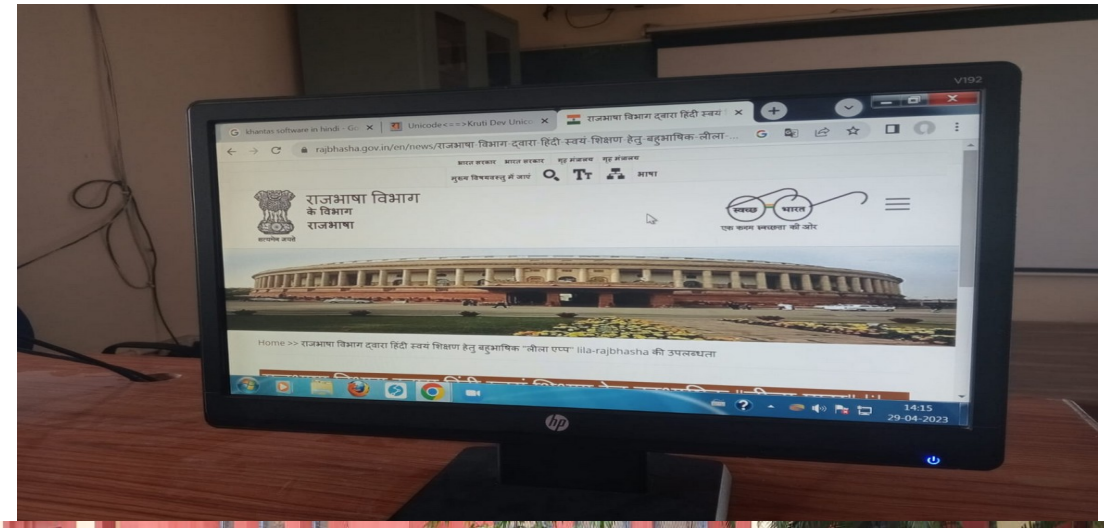

राजभाषा विभाग
Home >> राजभाषा विभाग द्वारा हिंदी स्वयं शिक्षण हेतु बहुभाषिक "लीला एप्प" lila-rajbhasha की उपलब्धता
14:15
29-04-2023

विकिपीडिया
यूनिकोड
UNICODE
यूनिकोड का प्रतीक-चिह्न

OF TELANGANA
of Collegiate Education

8.अनुवाद :
हिंदी ⇄ अंग्रेजी
ट्रान्सलेटर
A

आज रेडियो, हिन्दी सिनेमा, दूरदर्शन अन्य
चैनलों पर आनेवाली देशी-विदेशी कार्यक्रम
हिन्दी की वेबसाइट , सोशल मीडिया
के साधन , मोबाइल फोन आदि
बड़ी मात्रा में हिन्दी को फैला रहे हैं।
शिक्षा के क्षेत्र में
कम्प्यूटर

माननीय कमीशनर श्री नवीन मित्तल जी,
आदरणीय प्राचार्य डॉ. बी. राजेंद्र कुमार जी
एवं जिज्ञासा निर्देशिका जी को हार्दिक आभार।
धन्य वाद